

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 04 मार्च, 2006

विषय : वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिए आयोजनागत मदों में धनावंटन।
महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-206/मु०अ०वि० बजट/बी-1, दिनांक 20.01.06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष 2005-06 में आयोजनागत मद में कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्रांश के रूप में रु०-154.68 (रुपये एक करोड़ चौवन लाख अड़सठ हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यो के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्ही योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यो के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आस्था प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यो के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 5- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण - पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 6- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशायी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

क्रमशः.....2

- 8- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन एवं भारत सरकार को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का उक्त त्रैमास में पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- 9- धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक की अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2705- कमान क्षेत्र विकास, -00- आयोजनागत, 800-अन्य व्यय, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें, 0101- क्षेत्रीय विकास प्रायोजनायें (50 प्रतिशत के०स०), 24-बृहद निर्माण कार्य नामें डाला जायेगा। यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय सं०-285 / XXVII(2)/2006, दिनांक 28 फरवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

संख्या 1265 / 11-2006-03(08)/05, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, राज्य मंत्री, सिंचाई एवं ऊर्जा को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 2- महालेखकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-2
- 4- श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट, अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- जिलाधिकारी/कोषाधिकारी ऊधमसिंह नगर उत्तरांचल।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।


(महावीर सिंह चौहान)
अनु/सचिव